

हे री सखी, सामण मास घिरण लाग्यो...

जिस तरह वर्षा काल में सुकोमल फूलों की निर्मल, सुन्दर पंखुड़ियों पर शीतल व स्वच्छ बूंदें एक-एक करके गिरती हैं तथा पुष्प के कोमलांगों का स्पर्शनन्द उठाते हुए इसकी खुशबू चुराती हुई नीचे गिरती जाती हैं, उसी तरह वर्षा की बूंदों के रिमझिम-रिमझिम स्वर व शीतल मादक हवा विरहणियों के कोमलांगों का स्पर्श करके उनका सुख-चैन चुरा लेती हैं।



लोक साहित्य
डॉ. आनप्रकाश कादयान

सावन के आते ही वर्षा अपना जोर दिखाती है। जब बादल राजा अपने तन से झर-झर पानी बरसाते हैं तो वर्षा जल में धुले वृक्षों के तन हवा के झोकों में मद-मस्त होकर झूम उठते हैं। आनन्द विभोर हो वृक्ष अपनी जलयुक्त टहनियों को इस तरह हिलाते हैं, जैसे वे मेघों के स्वागत में नृत्य कर रहे हों। सूर्य के तप्त से व्याकुल वनस्पति दोबारा से खिल उठती है। धरती पर हरी चुनरिया बिछ जाती है। कीट पतंगें राहत की सांस लेते हैं। पशु-पक्षी उल्लासित हो जाते हैं। जन-जन के हृदय में नई उमंगें उमड़ जाती हैं। धरती की प्यास मिटती है, तृप्ति हो जाती है।

किसान की आशाएं जवान हो उठती हैं। सुखे जोहड़, तालाब, झीलें, पोखर, बावड़ियां पानी से लबाव बन हो जाती हैं। जगह-जगह रंग-बिरंगे फूल खिल उठते हैं। सरोवरों, झीलों या पानी से भरे विशाल गड्ढों में कमल की बेल का शीघ्रता से विस्तार होकर उनके ऊपर कमल के फूल मुस्कुरा उठते हैं। तमोमय निशा में बिजली प्रिय - समागम



के लिए अमुवा की डाली पर बैठी कोयल का मधुर स्वर समस्त वातावरण में गूंज उठता है। मेंढक टरनें लगते हैं। सोन बबुले आनन्दपूर्वक बोलते हुए नभ में उड़ते हैं। पपीहे की पीहू-पीहू मौसम को और मादक बनाती है। उमड़ते हुए बादलों को देखकर मोर अपनी इन्द्रधनुषी रंगीन-दिव्य पंखों को फैलाकर झूम-झूमकर नृत्य करते हैं। कवि का मन कह उठता है -
*पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन।
आओ रे सब मिल जाएं सावन मन भावना। (पंत)*
सावन, भादो मादकता से परिपूर्ण महीने होते हैं। वर्षा ऋतु के आगमन के कारण जहां खुशहाली व मस्ती का आलम फैल जाता है, वहीं विरहणियों को और अधिक पीड़ा दे जाता है। जिस तरह से वर्षा काल में सुकोमल फूलों की निर्मल, सुन्दर पंखुड़ियों पर वर्षा की शीतल व स्वच्छ बूंदें एक-एक करके गिरती हैं तथा पुष्प के कोमलांगों का स्पर्शनन्द उठाते हुए इसकी

खुशबू चुराती हुई नीचे गिरती जाती हैं, उसी तरह वर्षा की बूंदों के रिमझिम-रिमझिम स्वर व शीतल मादक हवा विरहणियों के कोमलांगों का स्पर्श करके उनका सुख-चैन चुरा लेती हैं तथा इसके बादले दे जाती है विरह-वेदना, प्रिया की याद, मधुर मिलन की स्मृतियां। बूंदों के स्वर विरहणियों के उर में संगीत तो अवश्य उत्पन्न करते हैं, किन्तु विरह वेदना व प्रियतम से बिछड़ने की असहनीय पीड़ा का संगीत जगाते हैं। कवि ने वर्षा के आकर्षण से प्रभावित मन की बात इस तरह से कही है -
*केसव सरिता सकल, मिलत सागर मन मोहै।
ललित लाता लपटाति, तरुन तन तरुवर सोहै॥*
कवि केशव कहते हैं कि श्रावण मास में वर्षा से नदियों में विपुल जल के कारण, सागर से मिलने का दृश्य देख मन खिल उठता है। छोटे-छोटे जीव-जन्तु वर्षा से प्रसन्न हो वृक्षों पर विहार करते हैं। बिजुरी कड़क कर बादलों से

झूला झूलने का महत्व

झूला झूलना सांस्कृतिक रूप से मन की चंचलता और विचारों के संतुलन का प्रतीक माना जाता है। जिस तरह झूला झूलाने पर यह आगे और पीछे जाता है, उसी तरह जीवन में आने वाले सुख-दुख के उतार-चढ़ाव में संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है ताकि आगे चलकर जीवन में खुशहाली बनी रहे। झूला झूलने से शरीर में शुभ ऊर्जा का संचार होता है। झूला झूलते समय ताजी हवा और प्रकृति के निकट रहने से मानसिक तनाव दूर होता है, मन प्रसन्न रहता है और व्यक्ति के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसी वजह से यह परंपरा वैवाहिक जीवन में नई उमंग और ताजगी भरने का काम करती है।



पति की अनुपस्थिति में विरहणी को ससुराल में बैठे-बैठे अपने पीहर की याद आती है। उसे अपने मायके की वे सब घटनाएं याद आती हैं, जब वह अपनी मां के पास थी।

चरखी को अपने छोटे भाई के हाथ उसके ससुराल भेज दें। मां और बेटी का संवाद देखिये एक लोकगीत में -
*माए नी मेरी सोहणी जेई चरखी,वीरे पास देई भेज्यां
धीए तेरा वीर न्याणा, ओह तां रस्ता ना जाणे
माए हथ्यै देई दियां बस्ता, वीरण पच्छीं लैगा सस्ता।*
एक सौभाग्यवती को दुःख है कि सबके प्रिय तो अपने घर-प्रांगण में भीग रहे हैं और उसके प्राणप्रिय परदेश में। बदरी को संबोधित करते हुए वह कहती है:-
*बदरिया बैरिन हो, सब के पिय भीजे घर-आंगन
मोर पिय भीजे परदेश, बदरिया बैरिन हो।*
एक चित्रकार ने एक प्रेयसी का विरह इस प्रकार चित्रित किया है -

*उमड़-धुमड़ कर बरसते बादल, काले, धवल,
नीले सब रंगों के हैं - सब ओर अन्धकार व्याप्त है।*
वन हाथियों की चिंचाड़ से कांप रहे हैं परन्तु फिर भी 'कृष्णाभिसारिका' अपने नायक से मिलने को निकल पड़ी है। नायिका गरजते बादलों की परवा न कर अपने प्रिय से मिलने जा रही है ताकि वह इस मिलन ऋतु के क्षणों को अपने प्रियतम के साथ अमर कर दें। गरजते बादलों और काली घटा को छाया हुआ देख दिन और रात एक समान प्रतीत होते हैं। घनघोर घर चारों ओर गर्जन कर रोषपूर्ण बरस रहे हैं। तीव्र बयार में भी वादुर गाय स्पष्ट सुनाई देता है। वन भी हरे-भरे और घने हो गए हैं। ऐसे में नायक, नायिका से विदा मांग रहा है। नायिका के लिए क्षण मृत्यु समान लगते हैं। दूसरी ओर वर्षा की बूंदें, शीतल हवायें, काली घटाएं प्रिय से दूर नायिका के हृदय में मिलन की उत्सुकता को कई गुणा बढ़ा देती हैं। प्रेयसी सावन से पृथ्वी है:-
लायें कौन सन्देश नयें घन,अम्बर गविंत हो आता नत

गज़ल

राजपाल सिंह गुलिया

इसके योए दुख भार्या सै

इसके योए दुख भार्या सै

वो छिक के वयूँ खार्या सै

एक मिनट ना घरौं डटै,

पा नीचे के आर्या सै

पाणी ढाळा धन खरचै,

कड़े खजाना पार्या सै

दो आब्बे उधार लिए थे

उस दिन तै घर गाह्या सै

नहीं बालकौं की चिंत्या,

ध्यान तिरा कित जाय्या सै

सेवा खूब करै सै कुणबा,

हाथौं छार्या छार्या सै

माणस नै थापै कोन्या,

सीगां माट्टी ठार्या सै

गेर्या छार्यां म्हौं ' गुलिया '

यो अपणां नै भार्या सै.

रीति-रिवाज

मायके में विवाहिता बेटी के सम्मान, स्नेह और अपनत्व को बनाए रखने में तीज-सिंधारा जैसे पर्वों का विशेष महत्व

परिवारों को जोड़ने वाले भावनात्मक सेतु हैं त्योहार

जनजीवन

रवि यादव

हृषीकेश

हृषीकेश

सुधियों से भर जाता था। उस समय तीज का सबसे सुंदर दृश्य होता था पीहर आई नवविवाहित बेटियों का उत्साह। नई-नई चूड़ियां, हाथों में गहरी मेहंदी, पेरो में पायल और चेहरे पर नई गुहस्थी की चमक। वे अपनी सहेलियों से मिलतीं, बचपन की यादें ताजा करतीं और घंटों हंसी-मजाक चलता रहता। गांवों में तीज के अवसर पर मेलों का आयोजन होता था। बड़े-बड़े पेड़ों पर झूले डाले जाते थे। महिलाएं और युवतियां सावन के लोकगीत गाते हुए झूलती थीं। कहावत के अनुसार झूलते हुए उसी पेड़ की परियां तोड़कर लाने को सासु का नाक तोड़ लेने की बात कहती और खुब हंसी-ठिठोली होती थी। कई स्थानों पर दौड़ प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती थीं, जिनमें विशेष रूप से पीहर आई नवविवाहित लड़कियां पूरे उत्साह से भाग लेती थीं। यह प्रतियोगिता केवल जीत-हार का माध्यम नहीं थी, बल्कि उनके आत्मविश्वास, उत्साह और अपने बचपन से जुड़े रहने का प्रतीक थी। जब कोई बेटी दौड़ जीतती, तो पूरा परिवार गर्व से भर उठता और गांव भर में उसकी चर्चा होती। तीज के दिनों में गांव का वातावरण बिल्कुल अलग होता था। घरों में खीर, पूड़े, मालपुर्, सुहाली शक्करपारे और तरह-तरह के पारंपरिक व्यंजन बबोते। बच्चे नए कपड़े पहनते और महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में खसतीं। शाम होते ही चौपाल या मंदिर के पास महिलाएं एकत्र होकर तीज के लोकगीत गाती हुई बैरी या झाड़ियों के कांटों में मीठे हुए चने या बिस्से लगाती थीं। उनके लोकगीतों में विरह भी होता, प्रेम भी, प्रकृति की सुंदरता भी और बेटी के मायके आने का स्नेह भी। यही लोकगीत हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान थे।
आज समय बदल गया है। अब सिंधारे की जगह ऑनलाइन उपहारों ने ले ली हैं। संयुक्त परिवार छोटे हो गए हैं, गांवों की चौपालें सूनी पड़ती जा रही हैं और पेड़ों पर झूलने भी पहने जैसे नहीं दिखाई देते। नवविवाहित बेटियों के लिए पीहर में कई-कई दिन उरजना भी अब संभव नहीं हो पाता। व्यस्त जीवनशैली और बदलती सामाजिक परिस्थितियों ने इन परंपराओं को धीरे-धीरे सीमित कर दिया है।

सुधियों से भर जाता था। उस समय तीज का सबसे सुंदर दृश्य होता था पीहर आई नवविवाहित बेटियों का उत्साह। नई-नई चूड़ियां, हाथों में गहरी मेहंदी, पेरो में पायल और चेहरे पर नई गुहस्थी की चमक। वे अपनी सहेलियों से मिलतीं, बचपन की यादें ताजा करतीं और घंटों हंसी-मजाक चलता रहता। गांवों में तीज के अवसर पर मेलों का आयोजन होता था। बड़े-बड़े पेड़ों पर झूले डाले जाते थे। महिलाएं और युवतियां सावन के लोकगीत गाते हुए झूलती थीं। कहावत के अनुसार झूलते हुए उसी पेड़ की परियां तोड़कर लाने को सासु का नाक तोड़ लेने की बात कहती और खुब हंसी-ठिठोली होती थी। कई स्थानों पर दौड़ प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती थीं, जिनमें विशेष रूप से पीहर आई नवविवाहित लड़कियां पूरे उत्साह से भाग लेती थीं। यह प्रतियोगिता केवल जीत-हार का माध्यम नहीं थी, बल्कि उनके आत्मविश्वास, उत्साह और अपने बचपन से जुड़े रहने का प्रतीक थी। जब कोई बेटी दौड़ जीतती, तो पूरा परिवार गर्व से भर उठता और गांव भर में उसकी चर्चा होती। तीज के दिनों में गांव का वातावरण बिल्कुल अलग होता था। घरों में खीर, पूड़े, मालपुर्, सुहाली शक्करपारे और तरह-तरह के पारंपरिक व्यंजन बबोते। बच्चे नए कपड़े पहनते और महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में खसतीं। शाम होते ही चौपाल या मंदिर के पास महिलाएं एकत्र होकर तीज के लोकगीत गाती हुई बैरी या झाड़ियों के कांटों में मीठे हुए चने या बिस्से लगाती थीं। उनके लोकगीतों में विरह भी होता, प्रेम भी, प्रकृति की सुंदरता भी और बेटी के मायके आने का स्नेह भी। यही लोकगीत हरियाणा की सांस्कृतिक पहचान थे।
आज समय बदल गया है। अब सिंधारे की जगह ऑनलाइन उपहारों ने ले ली हैं। संयुक्त परिवार छोटे हो गए हैं, गांवों की चौपालें सूनी पड़ती जा रही हैं और पेड़ों पर झूलने भी पहने जैसे नहीं दिखाई देते। नवविवाहित बेटियों के लिए पीहर में कई-कई दिन उरजना भी अब संभव नहीं हो पाता। व्यस्त जीवनशैली और बदलती सामाजिक परिस्थितियों ने इन परंपराओं को धीरे-धीरे सीमित कर दिया है।

गीत

कर्मचंद केसर

आजादी खातर

सबनैं भरी हूँकार आजादी खातर।

फिरंगी दिए ललकार आजादी खातर।

भरी जवानी लिकड़े घर तै परवान्ने,

छोड़ दिया घरबार आजादी खातर।

लाठी कौड़े गोळी तक बी झेल्ली थी,

सहयी गोरयों की मार आजादी खातर।

जात धरम अर ऊँच-नीच की बात न थी,

सारे लड़े एकसार आजादी खातर।

भारत छोड़ो बरगी,कई तहरीक चली,

जेठ भरी कई बार आजादी खातर।

राजगुरु सुखदेव मंगत से लाखवां नैं,

दी जान देस पै वार आजादी खातर।

शायर कवि अर लेखक रचना करदे रहये,

कलम बणी हथियार आजादी खातर।

मरे मांयों के लाल बहणा के भाई,

बिधवा हुई थी वार आजादी खातर।

बाँड्या करते परचे और रखाल्ले बी,

खूब करया परचार आजादी खातर।

भरके दिलां म्हं जोश बोस बी लड़े थे,

फौज करी थी त्यार आजादी खातर।

कहयों की तो कई-कई पीढ़ी खपक्यी,

उजड़े कई परिवार आजादी खातर।

जुल्मी नैं कर कल चराहै टांगे थे,

केसर के कई यार आजादी खातर।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

अभिनय ने मेरे व्यक्तित्व को बदला : मीना मलिक

कलाकार
डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी अभिनेत्री मीना मलिक आज वह नाम हैं, जिनकी पहचान केवल एक कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि अभिनय, अध्यापन, आकाशवाणी, दूरदर्शन और लोक संस्कृति से जुड़ी एक बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में बनी है, जो हरियाणवी मिट्टी और उसकी संवेदनाओं से गहराई से जुड़ी हुई हैं। मीना मलिक ने हिंदी और हरियाणवी सिनेमा के साथ-साथ अनेक वेब सीरीज, शॉर्ट फिल्मों और माइक्रो ड्रामा में भी काम किया है। उनके प्रमुख प्रोजेक्ट्स में एस.पी. चौहान, दादा लखमी, कांड 2010, फौजन, 1600 मीटर, धाणी, जीवन, 12 गाँव सहित कॉलेज कांड, हरियाणा की बेटी, धाकड़ छोरियाँ और हरियाणा केसरी जैसी वेब सीरीज शामिल हैं। उन्होंने सपना चौधरी सहित कई प्रमुख हरियाणवी कलाकारों के साथ विभिन्न गीतों में भी अभिनय किया है। इनके आगामी प्रोजेक्ट्स में झोलमाल, देशू का ब्याह, फौजन (सपना चौधरी के साथ), 12 गाँव, जीवन (मासूम शर्मा के साथ) और दंड, ब्याह-वाना और जीजा जी जैसी फिल्में व वेब सीरीज शामिल हैं। मीना मलिक का जन्म 8 फरवरी 1971 को हरियाणा के जींद जिले के गाँव

धरोदी में हुआ। परिवार में तीन भाई और एक बहन हैं। शिक्षिका के रूप में सक्रिय मीना मलिक ने बी.ए., बी.एड., हिंदी एवं इतिहास में एम.ए., एम.एड., कंप्यूटर डिप्लोमा तथा लोक साहित्य एवं संस्कृति में डिप्लोमा की शिक्षा प्राप्त की है। पिछले 25 वर्षों से आकाशवाणी हिसार से जुड़ीं मीना मलिक ने 'किसान वाणी' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से

किसानों की समस्याओं को विशेषज्ञों तक पहुँचाकर उनके समाधान का प्रयास किया और लोक साहित्य के जरिए समाज-संस्कृति को अपनी जड़ों से जोड़े रखा। दूरदर्शन हिसार से जुड़कर उन्होंने खेतों तक पहुँचकर किसानों की समस्याएँ सुनीं और वैज्ञानिकों से संवाद कर उनका समाधान की पहल की, साथ ही उनके दो गीत भी प्रसारित हुए। तीज

मीना मलिक ने स्ट्रेज ऐप के साथ अनेक फिल्में और वेबसीरीज की हैं। उनके अनुसार, स्ट्रेज ऐप ने हरियाणवी कलाकारों और रचनाकारों को मंच देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। मीना मलिक के व्यक्तित्व की सहजता, जीवंतता और जिजीविषा उन्हें उन कलाकारों की कतार में खड़ा करती है, जिनकी उपस्थिति पर्दे से आगे भी अपना प्रभाव छोड़ती है।

विशेष और जन्माष्टमी के कृष्ण लीला जैसे कार्यक्रमों का वर्षों तक संचालन उनके प्रसारण जीवन की ऐसी यादगार उपलब्धियाँ हैं, जिनसे उन्हें विशेष आत्मीयता और गर्व जुड़ा है। अध्यापन के साथ साथ उनकी एक कहानी हाइफ़ा द्वारा पुरस्कृत हुई थी, इसलिए कहा जा सकता है कि लेखन के क्षेत्र में भी उनके अंदर काफ़ी संभावनाएँ हैं। मीना मलिक किरदार को केवल निभाती नहीं बल्कि जीती हैं। अभिनय के संघर्ष ने उनको मजबूत, आत्मविश्वासी और धैर्यवान बनाया तथा यह विश्वास दिया कि जुनून और मेहनत से उम्र कभी सफलता की राह में बाधा नहीं बनती। मीना एक उत्कृष्ट लोकगायिका और लोक नर्तकी भी हैं और अनेक मंचों पर अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। इनका बचपन से ही हरियाणवी लोकनृत्य और लोकगीतों से जुड़ाव रहा है। उनका मानना है कि लोकनृत्य को बचाने के लिए इसे स्कूल-कॉलेज, मंच और मीडिया के

जरिए नई पीढ़ी तक पहुँचाना जरूरी है। वे मानती हैं कि सही अवसर और मंच मिले तो युवा आज भी हरियाणवी नृत्य को पूरे उत्साह से अपना सकते हैं। मीना का पारिवारिक जीवन अनेक संघर्षों से भरा रहा है। तीन बेटियों की मां होने के नाते उन्होंने सामाजिक सोच और बेटी-बेटी के भेदभाव जैसी चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी बेटियों को गर्व से अपना बेटा माना। 'एस.पी. चौहान' मीना मलिक की पहली फ़िल्म थी, लेकिन वह अपनी अभिनय यात्रा में कामयाबी की शुरुआत 'दादा लखमी' से मानती हैं। वह बताती हैं कि हिसार में 'दादा लखमी' के आइडेशन में चयन के बाद उन्हें फ़िल्म में जगते की बहू का किरदार मिला। यशपाल शर्मा के मार्गदर्शन और अपने समर्पण से उन्होंने इस भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाया, जिससे उन्हें दर्शकों के बीच एक विशेष पहचान दिलाई और उनकी अभिनय यात्रा को एक नई दिशा दी।

खबर संक्षेप

डिस्ट्रिक्ट वक्फ ऑफिस में मनाया स्वतंत्रता दिवस

नारनौल। डिस्ट्रिक्ट वक्फ ऑफिस नारनौल में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई और देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले वीरों को याद किया गया। कार्यक्रम में स्टेट ऑफिसर एवं रैंक कलेक्टर तसव्वुर आजाद ने उपस्थित कर्मचारियों एवं लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है।

आजादी दिवस के उपलक्ष्य में निकाली तिरंगा यात्रा

नारनौल। मातृशक्ति प्रान्त सेवा प्रमुख एवं प्रसिद्ध समाजसेविका डॉ. कृष्णा कुमारी आर्या के नेतृत्व में हुड़ा सेक्टर में तिरंगा यात्रा निकाली गई और ध्वज वितरण किया गया। डॉ. कृष्णा आर्या के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग हुड़ा सेक्टर चमत्कारी मंदिर के पास इकट्ठे हुए और भारत माता की जय तथा वन्दे मातरम के नारे लगाते हुए तिरंगे ध्वज हाथों में लेकर नसीबपुर शहीद स्मारक पर पहुंचे। जहां पर मातृशक्ति ने देशभक्ति पूर्ण सैनिकों के गीत गाए और अमर शहीदों को श्रद्धांजली दी।

रामसिंह समोसे वाले नहीं रहे

नारनौल। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रसिद्ध समोसे वाले रामसिंह सैनी के निधन पर उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होने से पूर्व भाजपा के पार्टी ध्वज के साथ उन्हें विदाई दी। इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि रामसिंह सैनी भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ व ईमानदार कार्यकर्ता थे, उनके जाने से पार्टी को बहुत बड़ा आघात लगा है और एक बहुत बड़ी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में नहीं की जा सकती। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद भारद्वाज, जिला महामंत्री किशनलाल सैनी, जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव, जिला मंत्री मनीष संध्या, जेपी सैनी, नरेंद्र झिमरिया, माडरुम सैनी, बेधराज सैनी, दीपेश सैनी, अनिल, रामोतरा, रमेश, महेश सैनी आदि ने विदाई दी।



देवयानी स्कूल में मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़ देवयानी इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय चेयरमैन सुनील, प्राचार्य बलवान एवं सीईओ शर्मिला द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। राष्ट्रध्वज को सलामी देने के पश्चात सभी ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी श्रद्धा एवं समान व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस को यादगार बना

जजपा कार्यालय में शान से लहराया तिरंगा

नारनौल। जननायक जनता पार्टी जिला कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने पूरे सम्मान और हर्षोल्लास के साथ तिरंगा झंडा फहराया। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ वंदे मातरम के 150वें उत्सव को भी धूमधाम से मनाया। तिरंगा फहराते ही पूरा पार्टी कार्यालय भारत माता की जय, वंदे मातरम और शहीदों के जयकारों से गुंज उठा। इस मौके पर सुरेंद्र पटौकरा, हरचंद तोबड़ा, महेंद्र सारदा खन्ना, विनोद भील, अधिवक्ता विजयपाल, अशोक सैनी, बेदू राता, प्रमोद ताखर, राजकुमार जांगड़ा, विदेश राजपूत, सचिन पाषंड, धर्मवीर बलवान, माडरुम, राजेश रावत, धर्मेन्द्र, वीरेंद्र घाटसर, अजय चौधरी अधिवक्ता, नवल गुर्जर, संदीप भाखर, शेखर आदि मौजूद थे।

सर्वोच्च बलिदान देने वाले 120 वीर सैनिकों की स्मृति को होगा समर्पित

अमर वीरों की स्मृति में हवेंवि में बनेगा रेजांगला वीर उपवन

रेजांगला वीर उपवन की स्थापना के लिए पौधरोपण किया

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के परिसर में रेजांगला के अमर वीरों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता दिवस समारोह में रेजांगला युद्ध के जीवित योद्धा हवलदार गजे सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और हवलदार गजे सिंह ने संयुक्त रूप से विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित रेजांगला वीर उपवन की स्थापना के लिए पौधरोपण किया।

यह उपवन रेजांगला की लड़ाई में सर्वोच्च बलिदान देने वाले 120 वीर सैनिकों की स्मृति को समर्पित होगा। विश्वविद्यालय परिसर में विकसित किए जाने वाले इस उपवन में प्रत्येक वीर की स्मृति में



महेंद्रगढ़। रेजांगला वीर उपवन के लिए पौधा लगाते हुए।

एक-एक पेड़ लगाया जाएगा और हर वृक्ष का नाम एक रेजांगला वीर के नाम पर रखा जाएगा। आने वाले समय में इन वृक्षों के साथ संबंधित वीर सैनिक को छवि और उनकी वीरता के प्रेरणादायी प्रसंग भी अंकित किए जाएंगे, ताकि विश्वविद्यालय परिसर में आने वाला प्रत्येक विद्यार्थी और आगंतुक इन अमर योद्धाओं के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति से परिचित हो सके।

विश्वविद्यालय केवल शिक्षा और शोध का केंद्र नहीं

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा और शोध का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की ऐतिहासिक स्मृतियों, वीरता की परंपरा और राष्ट्रीय मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। रेजांगला के वीरों की स्मृति में विकसित किया जा रहा यह उपवन विद्यार्थियों के लिए केवल हरित क्षेत्र नहीं होगा, बल्कि यह वीरता, त्याग, कर्तव्य और राष्ट्रभक्ति की जीवंत पाठशाला बनेगा। उन्होंने कहा कि एक-एक वृक्ष को एक-एक वीर के नाम से जोड़ने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रेजांगला के 120 वीर केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज नाम बनकर न रह जाएं, बल्कि विश्वविद्यालय परिसर में उनकी स्मृति निरंतर जीवित रहे। वृक्षों पर वीरों की तस्वीर और उनकी वीरता के प्रसंग अंकित होने से विद्यार्थी उनके जीवन और बलिदान से प्रेरणा ले सकेंगे। हवलदार गजेसिंह, जो रेजांग ला के युद्ध के जीवित योद्धाओं में से एक हैं, की उपस्थिति ने इस अवसर को विशेष बना दिया। उनके हाथों पौधरोपण के माध्यम से शुरू हुआ यह अभियान अतीत के वीरता-इतिहास को वर्तमान की पीढ़ी और भविष्य की स्मृति से जोड़ने वाला प्रतीकात्मक एवं भावपूर्ण प्रयास है।

महत्वपूर्ण कदम

झूंक गांव के अमर वीर शेरसिंह के पुत्र सेवानिवृत्त नायक सत्यपाल भी उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने इस स्मृति अभियान को और अधिक भावनात्मक एवं ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया। विश्वविद्यालय का यह प्रयास रेजांगला के वीरों की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा उनके बलिदान को जीवंत स्मृति के रूप में संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फोटो : हरिभूमि



विजय स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना में शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। स्कूल सुबह से ही तिरंगे, गुब्बारों और रंगीन झालरों से सजा हुआ था। बच्चों के चेहरों पर देशभक्ति की झलक और अनुशासन देखते ही बन रहा था। मुख्य अतिथि विद्यालय सचिव महेंद्र सिंह, उनकी पत्नी रामकला यादव, चेयरमैन विजय यादव दुमना एवं उनकी पत्नी नीतू यादव ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के उपरांत सभी ने राष्ट्रगान गाया और 'भारत माता की जय' के गानमेढी नारों से वातावरण देशभक्तियुक्त हो गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। छोटे बच्चों ने तिरंगे की वेशभूषा में देश रंगीला और सुनो गौर से दुनिया वालों गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। सोनियर छात्रों द्वारा शहीद भगत सिंह एवं देश के अमर शहीदों के जीवन पर आधारित नाटक ने उपस्थित अभिभावकों और छात्रागणों को भाव-विभोर कर दिया।

सूरज स्कूल में मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

महेंद्रगढ़। सूरज स्कूल में 80वें स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व अत्यंत उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के माहौल में धूमधाम से मनाया गया। समारोह के दौरान विद्यालय प्रांगण राष्ट्रीय ध्वज के तिरंगे रंगों और देशभक्ति के जयघोषों से गुंज उठा। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्रबंधन समिति ने मिलकर देश के वीर बलिदानियों को नमन किया। अनुशासित मार्च पारट कार्यक्रम का मध्य शुभारंभ विद्यार्थियों के अनुशासित एवं शानदार मार्च पारट से हुआ। डीपीई अंकित के कुशल संयोजन में छात्रों ने कदम से कदम मिलाकर तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान विद्यालय निदेशक संदीप प्रसाद द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। प्राचार्य चंद्रपाल यादव ने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निगमने और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।



देशभक्ति की मिलेगी प्रेरणा: डॉ. गजेसिंह

नांगल चौधरी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांव दैखेरा में समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा के नेतृत्व में तिरंगा रैली निकाली गई। इस दौरान युवाओं ने गामांगों को सामाजिक कुरीतियों और नशाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की में युवाओं की अहम भूमिका है। युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक दिशा में इस्तेमाल करें तो समाज और राष्ट्र को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया जा सकता है। देशभक्ति केवल तिरंगा हाथ में लेकर नारे लगाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि समाजहित में जिम्मेदारी निभाना भी सच्ची देशभक्ति है। इस मौके पर डेलीगेट लीलाराम, महेश नंबरदार, सुरेश कुमार, विकास जांगिड़ आदि मौजूद रहे।

राव रामचंद्र विद्यालय में हुई मेहंदी व तिरंगा झंडा बनाओ प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। राव रामचंद्र विद्यालय में तीन भागों में राष्ट्रीय ध्वज बनाओ, पतंग व मेहंदी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। ध्वज बनाओ प्रतियोगिता में शिवालिक सदन से जान्हवी प्रथम, परिधि द्वितीय व दैविक तृतीय स्थान पर रहे। मेहंदी बनाओ प्रतियोगिता में हिमालय सदन से तेजस्वी प्रथम व कशिक द्वितीय रही। पतंग बनाओ प्रतियोगिता में नीलगिरि सदन से अंश प्रथम, शिवालिक सदन से वाणी द्वितीय और नीलगिरि सदन से प्रतीक तृतीय स्थान पर रहा। संस्था चेयरपर्सन मनीषा यादव ने निर्णायक की भूमिका अदा की। गतिविधि इंचार्ज शीतल यादव ने बताया कि इन प्रतियोगिता करवाने के पीछे हमारा बच्चों में देशप्रेम की भावना को बढ़ाना और राज्य के त्योहार के बारे में बताना था। संस्था चेयरमैन रोशन लाल ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी और सभी विद्यार्थियों और अध्यापक को तीज और स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।



गुरुकुलम स्कूल में हरियाली तीज महोत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज़ ►► नांगल चौधरी दी गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हरियाली तीज महोत्सव व स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन अश्वय सिंह गुर्जर ने की, जिसमें बीपीओ ईशान शर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को एक हजार फलदार पौधे वितरित किए तथा पौधरोपण करके नियमित रूप से देखभाल करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि पौधे केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली

पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ ने पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि आज बढ़ता प्रदूषण, पटती हरियाली और बदलता पर्यावरण सभी के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में बच्चों को बचपन से ही प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाना जरूरी है। इस मौके वाइस चेयरमैन धर्मबीर सिंह, निदेशक राजपाल यादव, प्राचार्य निर्मला चौधरी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप



विद्या भारती स्कूल निजामपुर में मनाया स्वतंत्रता दिवस

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव व निदेशिका डॉ. रविन्द्रा यादव के मार्गदर्शन में किया गया। किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी ने बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वतंत्रता दिवस समारोह का प्रारंभ संस्था के प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव ने ध्वजारोहण के साथ किया।



नेतराम स्कूल में मनाया आजादी उत्सव

नारनौल। राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर में स्वतंत्रता दिवस उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य अनिता देवी ने विद्यार्थियों, अभिभावकों व अस्थापकों स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि आज हम आजादी का 80वां उत्सव मना रहे हैं, यह उन वीरों शहीदों की देन है, जिन्होंने आजादी के लिए अपनी शहादत दी थी। उनकी शहादत के कारण आज हम खुली हवा में सांस ले पाना संभव हुआ है। इस मौके पर मीना, योगिता, प्रियंका, ज्योति आदि उपस्थित रहे।



ज्ञानकोष-ए ग्लोबल स्कूल में मनाया 15 अगस्त

महेंद्रगढ़। ज्ञानकोष-ए ग्लोबल स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय सीईओ राकेश कुमार एवं प्राचार्य रामनिवास द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ तथा विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भाषण प्रस्तुत किए। सीईओ राकेश कुमार ने स्वतंत्रता दिवस एवं तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 15 अगस्त का दिन देशवासियों के लिए गौरव का दिन है। इस अवसर पर स्वतंत्रता दिवस एवं तीज उत्सव के उपलक्ष्य में विद्यालय के समस्त स्टाफ ने पौधारोपण अभियान चलाया। अभियान के तहत विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे लगाए गए। स्टाफ ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

नारनौल। गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दाणी किरारोद में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन अजय कुमार ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य नेतराम सैनी भी उपस्थित थे। चेयरमैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि बच्चों हमें यह आजादी बड़ी मुश्किल से मिली है। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ व पदाधिकारी भी उपस्थित थे।



उदय नर्सिंग कॉलेज में मनाया कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। बदरी नारनौल रोड स्थित उदय नर्सिंग कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संस्था चेयरपर्सन डॉ. अर्चना ठाकुर रही। उन्होंने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर देशभक्ति की भावना को उजागर किया। कॉलेज डायरेक्टर पंकज तंवर ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।



राव सुल्तान सिंह स्कूल में मनाया पर्व

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्बेहड़ा में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और उमंग के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने की। मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे की सलामी दी। मुख्य अतिथि एडवोकेट सतपाल यादव ने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र और खुले वातावरण में सांस ले रहे हैं, वह देश के उन असंख्य वीर शहीदों के त्याग, तपस्या और बलिदान का परिणाम है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योत्रावर कर दिया। इस अवसर पर संस्था चेयरपर्सन सुष्मा यादव, किड्स हेड स्नेहलता, कर्ण सिंह निम्बल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।



मंडोर ऊंची व खेड़की स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

नारनौल। गांव मंडोर ऊंची स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व खेड़की स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में एसएम सहलग फाउंडेशन व एचडीएफसी परिवर्तन परियोजना के सहयोग से 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना एवं अतिथियों का स्वागत किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, भाषण एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। मंडोर ऊंची विद्यालय में कार्यक्रम के दौरान गाम सरपंच शरदा देवी, प्रधानाचार्या सुनीता तथा संस्था के सदस्य रामदिया, वीरेंद्र, पूजा व सोमन सहित शिक्षकगण एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं खेड़की विद्यालय में गाम सरपंच, प्रधानाचार्य वीरेंद्र यादव, शिक्षकगण, ग्रामीणों व सहलग फाउंडेशन से संजय आलोरिया, पुष्पा व अनुज सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश के प्रति जिम्मेदारी, अनुशासन एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

सरपंच ग्राम पंचायत पाली जिला महेंद्रगढ़ (हरि.) नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पाली में कंडम स्वारक्ष्य केन्द्र व एस.सी. चौपाल की लिस्टिंगों को तुड़वाया जाना है। उनके मलबे व सरिया आदि की नीलामी दिनांक 19.07.2026 को समय सुबह 10.00 बजे स्थान मेन बस स्टैंड पाली में की जाएगी। नीलामी की नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी। हस्ता/- देशराज सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत पाली, जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा), मो. 9991373072

नामदेव समाज के बच्चों ने कविता पाठन व ड्राइंग-पेंटिंग स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा

प्रतियोगिता में यशिका व गिरीशा ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

श्री नामदेव समाज समिति एवं चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से नामदेव भवन रविदास मार्ग पुरानी सराय में समाज के बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उनका उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से रविवार को कविता पाठन तथा ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में समाज के बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के संयोजक त्रिभुवन प्रताप ने बताया कि बच्चों ने वर्मा प्रवक्ता ने बताया कि बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने तथा उनमें रचनात्मकता,



नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों के साथ समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्यजन।

फोटो : हरिभूमि

आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के लिए इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों ने कविता पाठन के साथ-साथ चित्रकला एवं पेंटिंग में अपनी कल्पनाशीलता का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने बताया कि कविता पाठन प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। प्रथम वर्ग में ईशा रोहिला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि द्वितीय वर्ग में गिरीशा रोहिला ने



ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए श्री नामदेव समाज समिति एवं चैरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष चंद्र वर्मा ठेकेदार, ट्रस्ट के उपप्रधान महेंद्र कुमार वर्मा रतन, श्री नामदेव समाज समिति के प्रधान जुगेन्द्र कुमार वर्मा, संजय कुमार वर्मा, पूर्व प्रधान ओमप्रकाश लुहारिया, सुभाष कश्यप, पवन कुमार वर्मा, संतीश कुमार वर्मा, अमित झंडेवाला, किशोरीलाल वर्मा, अजय कुमार वर्मा, रमेश कुमार वर्मा, दयानंद वर्मा, हेमंत वर्मा उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देती हैं।

प्रथम स्थान हासिल किया। बच्चों ने अपनी कविताओं के माध्यम से भाषा, भाव और प्रस्तुति का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। इसी प्रकार ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में भी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रथम वर्ग में यशिका वर्मा ने प्रथम

स्थान प्राप्त किया, जबकि आयुष ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं ड्राइंग एवं पेंटिंग के द्वितीय वर्ग में गिरीशा रोहिल्ला प्रथम तथा खेमचंद्र द्वितीय स्थान पर रहे। विजेता प्रतिभागियों के प्रदर्शन की उपस्थितजनों ने सराहना की।

भारतीय ऊर्जा परिदृश्य 2047 : संभावनाएं व चुनौतियां विषय पर होगा विज्ञान सेमिनार

» साइंस सेमिनार से वैज्ञानिक खोज की प्रवृति होगी जागृत

» विजेता विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

राजकीय एवं अराजकीय विद्यालयों के आठवीं से 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए भारतीय ऊर्जा परिदृश्य 2047 संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर ब्लॉक से राष्ट्रीय

स्तर तक विज्ञान संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के तत्वावधान में जिला शिक्षा अधिकारी के दिशानिर्देशानुसार सभी खंड शिक्षा अधिकारियों की ओर से सर्वप्रथम 18 अगस्त सुबह नौ बजे से ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन सम्बंधित खंड के विद्यालय में किया जाएगा। इसके बाद जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसमें पांचों खंडों में खंड स्तर पर आयोजित विज्ञान सेमिनार में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने

साइंस सेमिनार के नियम

विद्यार्थी अंग्रेजी, हिन्दी अथवा कोई भी मातृभाषा प्राप्त भारतीय भाषा में विचार रख सकते हैं। प्रतिभागियों दिए गये विषय पर अधिकतम छह मिनट के लिए बोल सकते हैं। इसके पश्चात उसी विषय पर निर्णयकों की ओर से तीन प्रश्न पूछे जाते हैं और प्रतिभागियों को उनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना होता है। विद्यार्थी

वाले विजेता विद्यार्थी भाग लेंगे। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से 10वीं कक्षा के सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। सेमिनार शुरू होने से पहले 20 मिनट की लिखित परीक्षा

अपने विचार रखते समय सहायक चित्र जैसे पोस्टर, चार्ट, स्लाइड्स (35 मि.मि.) ऊपरी प्रक्षेपित चित्र या कम्प्यूटर पर बने स्थिर स्लाइड का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिनकी कुल संख्या अधिकतम पांच हो सकती है। 3डी मॉडलों, चलचित्रों, पीप-अप्स, रोल ओवर्स, वीडियो व फिक्मों की किसी भी रूप में अनुमति नहीं होती है।

योजना में ग्रिड के व्यापक विस्तार की परिकल्पना की गई है। यह योजना ऊर्जा स्वतंत्रता के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार और परमाणु ऊर्जा लक्ष्य के साथ-साथ कोयले जैसे संक्रमणकालीन जीवाश्म ईंधनों पर भारी निर्भरता को सुंतुलित करती है।

विजेताओं को किया जाएगा सम्मानित

विज्ञान संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अन्वेषण और विश्लेषणात्मक सोच की भावना का विकास करना है। यह विज्ञान संगोष्ठी देश के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आयोजित की जाती है। विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ब्लॉक स्तर पर भाग लेते हैं। प्रत्येक ब्लॉक से दो विजेता जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। प्रत्येक जिले से दो विजेता राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेते हैं और प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से केवल एक विजेता राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए पात्र होता है। राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 4000 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति एक वर्ष के लिए दी जाती है व नौ विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार के रूप में 2000 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति एक वर्ष के लिए दी जाती है।

अंक निर्धारण

प्रस्तुति में वैज्ञानिक तथ्य के 40 अंक, दृश्यों की प्रस्तुति में नवीनता के 15 अंक, वाच भाषा में प्रवाह के 25 अंक, प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता, जिसमें लिखित परीक्षा के 10 अंक एवं मौखिक परीक्षा के 10 अंक निर्धारित किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर ने कहा कि साइंस सेमिनार का आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक खोज के संबंध में रचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रवृत्ति जागृत करने के उद्देश्य से किया जाता है। उभरते वैज्ञानिकों को विद्यार्थी के आदान-प्रदान का अवसर मिलता है। जिला स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राज्य स्तरीय साइंस सेमिनार प्रतियोगिता में भाग लेंगे।



नारनौल। आईटीआई में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करते सांसद धर्मबीर सिंह।

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह आईटीआई मैदान में अभूतपूर्व उत्साह, राष्ट्रभक्ति की भावना और धूमधाम के साथ हर घर तिरंगा थीम को लेकर मनाया गया। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर परेड की कमान डीएसपी डॉ. कविता ने संभाली। समारोह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं डंबल, पीटी शो तथा लेजियम का प्रदर्शन किया। इससे पहले सांसद ने जिला सैनिक बोर्ड में स्थित शहीद स्मारक तथा नसीबपुर स्थित शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

लोगों के दिलों में जीवित रहते हैं नैतिक सिद्धांतों का अनुसरण करने वाले: आरती राव



हरिभूमि न्यूज़ » नांगल चौधरी

अतिथि अध्यापक संघ के प्रदेशाध्यक्ष एवं समर्थक दिनेश मास्टर की माता को श्रद्धांजलि देने स्वास्थ्य संत्री आरती सिंह राव ढाणी मामराज पहुंची, दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी। कहा कि

गांव राता में हनुमान मेला कल, खेल स्पर्धा भी होगी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव राता में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 18 अगस्त को बाबा हनुमान जी का भव्य मेला धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ आयोजित किया जाएगा। मेले को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। मेले में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। जानकारी देते हुए प्राचार्य अनूप कुमार ने बताया कि मेले में बॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 51 हजार रुपये तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 41 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसी प्रकार कबड्डी में प्रतियोगिता में प्रथम प्रतियोगिता टीम को 21 हजार रुपये तथा द्वितीय टीम को 15 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं कुश्ती प्रतियोगिता 50 रुपये से लेकर 5100 रुपये तक करवाई जाएगी। बड़े पहलवानों के पहुंचने पर पुरस्कार राशि बढ़ाई भी जा सकती है।

हरिभूमि आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत ईटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फोन : 8295738500, 9253681005

जिला स्तरीय समारोह में सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने फहराया तिरंगा विकसित भारत @2047 के संकल्प के साथ मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

हॉल्लेस के साथ जश्न-ए-आजादी संग मनाया हरियाली तीज का पावन पर्व

सांसद ने अपने संबोधन में प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन विशेष है, क्योंकि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के साथ हरियाली तीज का पावन पर्व भी मनाया जा रहा है, जो हमारी प्रकृति, संस्कृति और नारी शक्ति की सम्बद्ध परंपराओं का प्रतीक है। स्वतंत्रता सेनानियों तथा शहीदों को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि 10 मई 1857 को अंबाला से उठी क्रांति की विंगारी ने पूरे देश में आजादी की अलख जगाई थी। दक्षिणी हरियाणा में नसीबपुर के ऐतिहासिक मैदान में अमर नायक राव तुलाराम के नेतृत्व में हमारे वीरों ने अंग्रेजों की कड़ी टक्कर दी थी। अपने दमन के लिए हमारे पूर्वजों ने जेलों व लातियों से अंग्रेजों का मुकाबला किया। यहां हजारों की संख्या में हमारे पूर्वजों ने अपनी शहादत दी। इस शहादत को हमें हमेशा के लिए याद रखना चाहिए। हमें कभी भी जाति या धर्म के नाम पर नहीं बंटना चाहिए।

मार्च पास्ट में पुलिस प्लाटून प्रथम

स्वतंत्रता दिवस से समारोह के जिला स्तरीय कार्यक्रम में परेड कमांडर डीएसपी डेविटर कविता की कमान में हुई मार्च पास्ट में पुलिस प्लाटून प्रथम स्थान, होमगार्ड प्लाटून दूसरे तथा एनसीसी गलसी तीसरे स्थान पर रही। वहीं दूसरे वर्ग में गाइड प्लाटून पहले स्थान पर, बुलबुल प्लाटून दूसरे तथा कब प्लाटून तीसरे स्थान पर रही।

कनीना में विधायक कंवर सिंह किया ध्वजारोहण

कनीना। राजकीय महाविद्यालय में उप-मंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। जिसमें महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने बतौर मुख्यअतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। परेड की कमान पीएसआई साहिल ने संभाली। मुख्यातिथि ने वीरगानाओं व स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों की शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विधायक ने देश के ज्ञात-अज्ञात शहीदों को नमन करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं।



इस मौके पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. रितु वाई के बहल व अन्य न्यायिक अधिकारी, पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, बीजेपी के जिला अध्यक्ष डॉ. यतेश राव, फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार मनोष मित्तल, नगर परिषद चेयरमैन कमलेश सैनी, राकेश शर्मा, विजय सांगवान आदि मौजूद थे।

तिरंगे के रंग में रंगा नांगल चौधरी शामिल रहा हजारों का काफिला नांगल चौधरी। शहीद किसी दल अथवा व्यक्ति विशेष के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की धरोहर होते। इसलिए उनके नाम पर राजनीति करने के बजाय उनको सम्मान देना चाहिए। यह बात पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने नांगल चौधरी में आयोजित ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा के दौरान विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस मौके पर उनके साथ महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव, जिला प्रमुख राकेश कुमार, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राकेश शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

बिना किसी चिंता के, बेहतर इलाज आप ही के शहर में

प्रमुख विशेषज्ञताएं एवं डॉक्टरर्स

हृदय रोग एवं वैस्क्यूलर सर्जरी विभाग (CTVS & Cardiology)	किडनी रोग विभाग (Nephrology & Urology)	जनरल मेडिसिन विभाग (General Medicine)
डॉ. चंद्र मोहन मित्तल (सीनियर डायग्नोस्टिक एवं कार्डियोलॉजिस्ट)	डॉ. शिव कुमार गोयल (कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट)	डॉ. तरुण यादव (सीनियर कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट एवं ट्रांसप्लांट फ़िलॉजियन)
डॉ. चंद्र मोहन मित्तल (सीनियर डायग्नोस्टिक एवं कार्डियोलॉजिस्ट)	डॉ. शिव कुमार गोयल (कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट)	डॉ. तरुण यादव (सीनियर कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट एवं ट्रांसप्लांट फ़िलॉजियन)
कैंसर रोग विभाग (Oncology)	हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग (Orthopaedics)	मस्तिष्क एवं शीढ़ सर्जरी विभाग (Neuro Surgery)
डॉ. केशव गर्ग (कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट)	डॉ. मनीष वर्मा (कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक्स)	डॉ. संदीप यादव (कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (Gynaecology)	शिशु एवं नवजात शिशु रोग विभाग (Paediatrics & Neonatology)	पेट एवं तिवर रोग विभाग (Gastroenterology)
डॉ. श्वेता वर्मा (कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट)	डॉ. विनीता यादव (कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स)	डॉ. प्रज्ञा अग्रवाल (कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (Gynaecology)	शिशु एवं नवजात शिशु रोग विभाग (Paediatrics & Neonatology)	पेट एवं तिवर रोग विभाग (Gastroenterology)
डॉ. श्वेता वर्मा (कंसल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट)	डॉ. विनीता यादव (कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स)	डॉ. प्रज्ञा अग्रवाल (कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स)

मुख्य चिकित्सा सेवाएं (Services & Facilities):

- * 24x7 इमरजेंसी और ट्रामा सेंटर
- * एडवांस्ड आईसीयू (ICU), सीसीयू (CCU) और वेंटिलेटर की उन्नत सुविधाएं
- * 24x7 डायलिसिस यूनिट
- * कैथ लैब (Cath Lab) सेवाएं
- * सीटी स्कैन (CT Scan), अल्ट्रासाउंड (USG), डिजिटल
- * एक्स-रे, और एडवांस्ड पैथोलॉजी लैब
- * नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (NICU)

उजाला सिग्नस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, रेवाड़ी

में उपलब्ध हैं सभी प्रमुख सरकारी और कैंशलेस पैनेल सुविधाएं हरियाणा सरकार, आयुष्मान भारत (PM&JAY) योजना, ESI, ECH, प्रमुख TPA और इंश्योरेंस (Corporate) पैनेल

9146691466

अपोजिट सिविल हॉस्पिटल, बीएसएनएल ऑफिस के पास
हुडा बाईपास रोड, भगवत दयाल शर्मा चौक के पास

24/7

EMERGENCY SERVICES

नारनौल। धरना स्थल पर ध्वजारोहण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नया कर्मियों ने स्वतंत्रता दिवस मनाया, फिर उठाई मांगें

हरिभूमि न्यूज़ » नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर परिषद में परिसर में तिरंगा फहराया गया। इसके बाद विचार गोष्ठी आयोजित कर कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ रोष जताया गया। इकाई प्रधान भूपेंद्र सिंह और अग्निशमन विभाग के इकाई प्रधान गुरदयाल सिंह ने कहा कि देश को आजाद हुए 80 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के साथ कई दौर की वार्ता के बावजूद समझौते के अनुसार मांगों को लागू करने के आदेश जारी नहीं किए गए। उन्होंने बताया कि 13 मई को

आश्वासन दिया गया था। इसके बाद 29 जुलाई, पांच अगस्त और 14 अगस्त को भी वार्ता हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। वक्तवाकों ने सरकार से कर्मचारियों की मांगों को जल्द पूरा करने और समझौते के अनुसार पत्र जारी करने की मांग की। इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बोयल, नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सेंगलिया, जिला प्रधान राहुल सिंह, सर्व कर्मचारी संघ जिला प्रधान कौशल यादव सहित मनोज बोयल, भीम सिंह, महावीर प्रसाद, निरंजन लाल, राजेश, जोगिंदर सिंह, देवानंद, मनोज, प्रदीप, आशीष, रविकान्त, शशिकांत, अशोक और संतलाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।